माँ पापा का दुलारा बेटा

“बैड सेक्स इन फॅमिली कहानी में मेरे पापा मेरी गांड मारते थे. एक रात मम्मी ने मुझे पापा का लंड चूसते देख लिया. मम्मी पापा का लंड नहीं चूसती थी. तो मम्मी को इसमें फायदा नजर आया. ...”

Story By: राजन बजाज (rajanbajaj)
Posted: Friday, January 10th, 2025
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: माँ पापा का दुलारा बेटा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

माँ पापा का दुलारा बेटा

बैड सेक्स इन फॅमिली कहानी में मेरे पापा मेरी गांड मारते थे. एक रात मम्मी ने मुझे पापा का लंड चूसते देख लिया. मम्मी पापा का लंड नहीं चूसती थी. तो मम्मी को इसमें फायदा नजर आया.

दोस्तो,
आपने मेरी स्टोरी पढ़ी
जीजू से गांड मरवाकर बना जीजी का सौतन
दरअसल जीजू वाली घटना ने इतना मज़ा दिया कि पहले वो पोस्ट करने का मन किया।

लेकिन उससे पहले की एक घटना मैं अब आपके सामने ला रहा हूँ.
पापा की मार फिर प्यार
के बाद जो मेरे साथ हुआ, वो इस बैड सेक्स इन फॅमिली कहानी में लिख रहा हूँ.

हुआ यूं कि मम्मी 4-5 दिन बाद लौट आई.
मगर पापा को मेरी गांड मारने की लत लग गई थी।

एक रात वे फिर बहुत पीकर आये.
और फिर घर में भी 2 पैग लगा लिये.

तब पापा सीधे मेरे कमरे में आये और बोले- चल कपड़े उतार!
मैंने कहा- अभी तो मम्मी जाग रही हैं. वे इधर आ गई तो ?
“तेरी मां की चूत तू कपड़े उतारता है या नहीं!

मैं नन्ही सी जान … डर गया और अपने सारे कपड़े उतार लिये।

पापा ने अपना लंड मेरे मुंह मे दे दिया और मैं प्यार से चूसने लगा.

उधर मम्मी आवाजें दे रही थी.
मगर मेरे मुँह में पापा का लंड था और गांड में खुजली और दरवाज़ा बंद होने की वजह से आवाज़ सुन नहीं रही थी.
दरवाज़ा बंद तो था मग़र लॉक नहीं।

मम्मी ने आवाजें देती हुई मेरे कमरे तक आ गयी और जब उन्होंने दरवाज़ा खोला तो मम्मी को तो जैसे झटका लगा हो ; कुछ पल तो उनको समझ नहीं आया कि ये ब्लू फिल्म चल किस एंगल से रही है।
पापा की पैंट नीचे थी और मैं घुटनों के बल होकर उनका लंड चूस रहा था.

मम्मी चिल्ला कर बोली- ये क्या हो रहा है ?
मैं डर गया.
पर पापा को जैसे कोई असर ही न हुआ हो.
वे बोले- दिख नहीं रहा … अपना लंड तेरे बेटे से चूसवा रहा हूँ. क्यों मजा खराब कर रही है ? और तू क्यों रुक गया ? चल चूस !

मुझे समझ न आये कि किसकी साइड लूँ.
तो फिर पापा की एक गाली ने मुझे अपना काम करते रहने को मजबूर कर दिया।
मम्मी रोती हुई चली गई।

पापा ने रात को मेरी गांड मारी और लड़खड़ाते हुये अपने कमरे में चले गये।
मुझे रात भर नींद न आई कि सुबह मम्मी का सामना कैसे करूँगा।

पापा भी सुबह जल्दी चले गये तो मम्मी मेरे कमरे में आई.

शायद वे भी रात भर सो न सकी थीं।

मुझे उठाकर गर्म लहज़े में मम्मी ने पूछा- ये सब क्या चल रहा है ? तेरी इन्ही हरकतों की वजह से तेरे भाई को विदेश बुआ के पास भेजा. तो तू अपने बाप को … छी … शर्म कर कुछ ! तू क्या है और क्या बन गया है. हमें समाज में बेइज़्ज़त करेगा।
मैंने कहा- मेरी इसमे कोई गलती नहीं है. मुझे गांडू भी तेरे बेटे और फिर तेरे मर्द ने बनाया। मैं तो नार्मल था।

मैं भी गुस्से से अपने अंदर की आग निकाल देना चाहता था.
फिर मैंने सारी कहानी बताई तो मम्मी को मुझसे हमदर्दी होने लगी।

वे बोली- छोड़ दे ये काम ! ये काम मर्द के नहीं होते।
मैं नाराज़गी भरे लहजे से बोला- अब कौन सा मर्द ? अब तो इन मर्दों ने मिलकर मुझे औरत बना दिया है। अब बहुत देर हो चुकी है माँ ! अब मेरे अंदर का मर्द मर गया है।

मम्मी बोली- नहीं ऐसा नहीं है. कोशिश से हर आदत छोड़ी जा सकती है।
मैंने कहा- तेरा पति मुझे रखैल बना चुका है. आपको तो खुश होना चाहिये कि अब ये बाहर मुँह नहीं मारेगा. पहले तो आपका झगड़ा भी इसी बात से होता था. अब तो घर में ही गंगा है।

मम्मी की आंखों में न जाने क्यों ये सब सुनकर एक चमक आ गई।
मैं इस चमक का मतलब समझ गया कि अब मुझे फिर अपनी जरूरत के लिये यूज़ किया जाना था।

मम्मी बोली- ठीक है. तो आज मैं तुझे औरत बनाऊँगी और दुल्हन की तरह तैयार करुँगी।
यह मेरे लिये फिर एक झटका था।

मम्मी मुझे कमरे में ले गयी और मुझे कपड़े उतारने को बोला।

मैंने सवालिया नज़रों से देखा तो मम्मी बोली- उतार कर नंगा हो जा!

फिर मम्मी ने मेरे पूरे बदन को वैक्स किया और एकदम चिकना बना दिया।

शाम को पापा को फोन किया कि आप जल्दी आ जाना और पैग भी घर आकर लगाना।
शायद वे भी हैरान हो गए होंगे मम्मी की इस बात से!

शाम को मुझे दुल्हन की तरह सजाया मम्मी ने … अपनी ब्रा पेंटी पहनने को दी और फिर साड़ी!
मेरा मेकअप भी किया उन्होंने.

तब शीशा देखने पर मुझे खुद पर यकीन ना हुआ कि मैं लड़की हूँ या लड़का!

पापा घर आये तो बोले- क्या है?
मम्मी ने कहा- सरप्राइज़ है. आप दूसरे रूम में पार्टी कीजिये।

घण्टे भर में पापा टल्ली हो गए।
मैंने भी आज 3-4 पैग लगा लिये थे।

पापा जब कमरे में आये तो बोले- ये कौन है?
मम्मी बोली- आपकी नई दुल्हन!
“मेरी दुल्हन? ये कब बनी?”

मम्मी हँस कर बोली- आप घूंघट तो उठाइये।

पापा ने घूंघट उठाया तो मुझे देखते हुए बोले- वाह, इतना मज़ा तो मुझे तेरी मां का घूंघट

उठाते नहीं आया था जितना तेरा उठाते आया है।

मम्मी बोली- ये आपका गिफ्ट है. मज़े कीजिये!
तो पापा बोले- एक शर्त है?
“क्या”
पापा बोले- आज की रात तुम दोनों की एक बैड पर ही लूंगा।

मम्मी झिझकती हुई बोली- नहीं, मुझे शर्म आएगी.
तो पापा बोले- यहाँ मैं ही एक मर्द हूँ. तो शर्म क्यों?

कुछ सोचते हुए मम्मी ने भी कपड़े उतार दिए।

पापा मुझपर झपट पड़े और मेरे होंठों की सारी लिपस्टिक धीरे धीरे चूस गये और मुझे नंगा करके खुद भी नंगे हो गये।

अब कमरे में हम तीनों नंगे ही थे, मम्मी, पापा और मैं!
पापा मम्मी से बोले- देख, तुझमें एक ही कमी थी जो मुझे बाहर जाना पड़ता था.
मम्मी बोली- क्या?
पापा बोले- दिखाता हूँ!
और उन्होंने अपना लंड मेरे होंठो पर लगा दिया।

मैंने होंठ खोलकर लंड जीभ से चाटा और फिर मुँह में लेकर चूसने लगा।
मम्मी अपनी कमी समझ चुकी थी।

तब मम्मी ने मेरा लंड पकड़कर हिलाना शुरू कर दिया।
मेरा लंड भी ठीक है तो वो अपना आकार लेने लगा।

मम्मी बोली- बहुत हुआ चूसना चुसवाना … अब आप इसकी गांड का उद्घाटन करो और तू गांडू मेरी चूत चाट !

पापा ने मुझे घोड़ी बनाया और अपना लंड मेरी गांड में दे दिया.
और मम्मी ने मेरे मुह के आगे अपनी चूत कर दी।

बैड सेक्स इन फॅमिली में मुझे डबल मज़ा तो आ रहा था और मेरे घर में अब किसी का किसी से कोई पर्दा नहीं था।

मम्मी और पापा का दुलारा बेटा दोनों को खुश कर रहा था और अपनी भी खुजली मिटा रहा था.
अब मुझे किसी का डर नहीं था.

मैं अब अपनी प्यास बुझाने कोई नया शिकार सोच रहा था क्योंकि रोज रोज मेरी गांड मारना पापा के बस की बात नहीं थी.
तो मुझे अब सोच समझ कर नया आशिक ढूंढना था कि मेरा राज भी बना रहे और दमदार लंड भी मिल जाये।

दोस्तो, जब तक कोई नया आशिक़ नहीं मिलता तब तक के लिये इज़ाज़त दीजिये.
जल्दी की नई घटना लेकर हाज़िर होऊंगा।

यह बैड सेक्स इन फॅमिली कहानी कैसी लगी ?
मुझे मेल जरूर करें और किसी की मेल का जवाब न दे सकूं तो मुठ मारकर मुझे माफ़ कर देना।

ख्यालों में मुझे चोदते रहना और विडियो जरूर भेजना।
मैं भी देखूँ कि मैं कितनों के काम आ सका।

rb109315@gmail.com

Other stories you may be interested in

बॉयफ्रेंड से चुद कर चूचियाँ बड़ी हो गयी

GF BF सेक्स कहानी हिंदी में मैं एक लड़के को चाहती थी, उसे अपना बनाने के लिए मैंने उसे अपना जिस्म भी सौंप दिया था. मैं उससे चुद चुकी थी. उसके बाद उसने मेरी गांड भी मारी. सभी पाठकों को […]
Full Story >>>

लड़कपन का प्यार जवानी में मिल ही गया

लव रोमांस सेक्स कहानी में मैं अपने पड़ोस की एक लड़की को चाहता था. उसे भी पता था पर उसकी शादी कहीं और हो गयी. शादी के 3 साल बाद उसने मुझे मेरा प्यार दे दिया. नमस्कार मित्रो, कहानी की […]
Full Story >>>

आग और फूस का बैर- 3

फुल सेक्स देवर भाभी का पढ़ें इस कहानी में ! देवर की बीवी अपने पति को सेक्स का मजा नहीं देती थी और भाभी का पति अपनी बीवी को कम चोदता था. उन दोनों की आपस में सेटिंग हो गयी. कहानी […]
Full Story >>>

ट्रेन में पंजाबी मर्दों ने मेरी गांड फाड़ी

बॉय ऐस सेक्स कहानी मेरी पहली गांड चुदाई की है. मैं गोरा और चिकना हूँ. एक बार ट्रेन में मैं 3 पंजाबी लड़कों के साथ था. उन्होंने मेरी गांड मार कर मुझे गांडू बना दिया. दोस्तो, मेरा नाम सेम (बदला […]
Full Story >>>

आग और फूस का बैर- 2

Xxxx सेक्स रिलेशन स्टोरी में एक परिवार में देवर भाभी को अपने जीवन साथी से सेक्स नहीं मिला तो वे दोनों एक दूसरे की तरफ आकर्षित हो गए और एक दिन दोनों ने आपस में चुदाई कर ली. कहानी के […]
Full Story >>>